

EDFU:

Stefan Rüter

„Habt Ehrfurcht vor der Gottheit NN“

Die *śnd-n*-Hymnen

in den ägyptischen Tempeln

der griechisch-römischen Zeit

Herausgegeben von  
Dieter Kurth und Wolfgang Waitkus



**PEWE-VERLAG**

2009

**Bibliografische Information Der Deutschen Bibliothek**

Die Deutsche Bibliothek verzeichnet diese Publikation in der Deutschen Nationalbibliografie;  
detaillierte bibliografische Daten sind im Internet über <http://dnb.ddb.de> abrufbar

© PeWe-Verlag – Gladbeck 2009

Alle Rechte, insbesondere das Recht der Vervielfältigung und Verbreitung sowie der Übersetzung, vorbehalten. Kein Teil des Werkes darf in irgendeiner Form durch Fotokopie, Mikrofilm usw. ohne schriftliche Genehmigung des Verlages reproduziert oder unter Verwendung elektronischer Systeme verarbeitet, vervielfältigt oder verbreitet werden.

Layout: Jan-Peter Graeff – Hamburg  
Gedruckt auf alterungsbeständigem Papier

Printed in Germany

ISSN: 0937-8413

ISBN: 978-3-935012-05-8

## Inhalt

|  |      |
|--|------|
| Vorbemerkung der Herausgeber             | IX   |
| I. Vorbemerkung                          | X    |
| II. Einleitung                           | X    |
| III. Abkürzungsverzeichnis               | XIII |
| IV. Die Texte:                           | 1    |
| IV.1 Mut-Tempel, Karnak                  |      |
| IV.1.1 Mut, 14                           | 1    |
| IV.1.2 Mut, 17                           | 4    |
| IV.2 Hathor-Dachkapelle, Dendera         |      |
| IV.2.1 D VIII, S. 56, Z. 6 – 12          | 8    |
| IV.3 Chons-Tempel, Karnak                |      |
| IV.3.1 PdÉ, Pl. 2 A                      | 10   |
| IV.3.2 PdÉ, Pl. 2 B                      | 12   |
| IV.4 Month-Tempel, Medamud               |      |
| IV.4.1 Med, 35                           | 15   |
| IV.5 Geb-Tempel, Coptos                  |      |
| IV.5.1 Cop, 24                           | 17   |
| IV.5.2 Cop, 41                           | 19   |
| IV.5.3 Cop, 42                           | 21   |
| IV.6 Haroëris / Sobek - Tempel, Kom Ombo |      |
| IV.6.1 KO I, 86                          | 23   |
| IV.6.2 KO I, 87                          | 25   |
| IV.6.3 KO I, 107                         | 27   |
| IV.6.4 KO I, 333                         | 29   |
| IV.6.5 KO I, 334                         | 30   |
| IV.6.6 KO I, 362                         | 32   |

## Inhalt

|         |   |     |
|---------|---|-----|
| IV.6.7  | KO I, 363                                   | 33  |
| IV.6.8  | KO I, 377                                   | 34  |
| IV.6.9  | KO I, 378                                   | 35  |
| IV.6.10 | KO I, 406                                   | 36  |
| IV.6.11 | KO I, 407                                   | 37  |
| IV.6.12 | KO II, 512                                  | 39  |
| IV.6.13 | KO II, 513                                  | 40  |
| IV.6.14 | KO II, 540                                  | 41  |
| IV.6.15 | KO II, 541                                  | 42  |
| IV.6.16 | KO II, 578                                  | 44  |
| IV.6.17 | KO II, 579                                  | 45  |
| IV.6.18 | KO II, 635 = Gutbub, KO I, 228              | 46  |
| IV.6.19 | KO II, 636 = Gutbub, KO I, 235              | 48  |
| IV.6.20 | KO II, 665 = Gutbub, KO I, 263              | 50  |
| IV.6.21 | KO II, 666 = Gutbub, KO I, 270              | 51  |
|         |   |     |
| IV.7    | Isis-Tempel, Deir Chelouit                  |     |
| IV.7.1  | DC I, Nr. 1                                 | 53  |
| IV.7.2  | DC I, Nr. 7                                 | 56  |
|         |   |     |
| IV.8    | Horus-Tempel, Edfu                          |     |
| IV.8.1  | E VIII, S. 153, 3 - 154, 16                 | 60  |
| IV.8.2  | E VIII, S. 155, 18 - 157, 5                 | 63  |
|         |   |     |
| IV.9    | Chnum-Tempel, Esna                          |     |
| IV.9.1  | Esna III, Nr. 277                           | 65  |
| IV.9.2  | Esna III, Nr. 366                           | 69  |
| IV.9.3  | Esna III, Nr. 355                           | 73  |
|         |   |     |
| V.      | Der Anbringungsort und seine Funktion       | 76  |
|         |   |     |
| VI.     | Die Form der Anrufungen                     | 81  |
|         |   |     |
| VII.    | Inhaltliche Entsprechungen und Variationen: | 88  |
|         |   |     |
| VII.1   | Die Aufforderung                            | 88  |
| VII.2   | Die Gottheit NN                             | 93  |
| VII.3   | Die Adressaten                              | 97  |
| VII.4   | Die Begründung                              | 105 |

## Inhalt

|       |  |     |
|-------|--|-----|
| VIII. | Nachwort   | 132 |
| IX.   | Anhang:  |     |
| IX.1  | Index  | 139 |
| IX.2  | Übersichtspläne zum Anbringungsort der Inschriften | 151 |
| X.    | Literatur:   |     |
| X.1   | Veröffentlichungen der übersetzten Texte           | 161 |
| X.2   | Sekundärliteratur                                  | 163 |